IJARSCT

ISSN (Online) 2581-9429

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)

Impact Factor: 7.301

Volume 3, Issue 2, February 2023

स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं के मध्य मानवाधिकार शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन

डॉ. चक्रमणि गुप्ता

सहायक प्राध्यापक (विधि)

पं. रामसुन्दर महाविद्यालय, पहड़िया, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांशः मानवाधिकार ऐसे अधिकार हैं जो प्रत्येक व्यक्ति को मानव होने के नाते प्राप्त होते हैं। भले ही उसकी राष्ट्रीयता, लिंग, वर्ग, जाति, व्यवसाय और सामाजिक–आर्थिक स्थिति कुछ भी हों अर्थात् जो अधिकार मानव गरिमा को बनाये रखने के लिए आवश्यक है उन्हें मानवाधिकार कहते हैं। ये अधिकार सभी व्यक्तियों के लिये आवश्यक एवं महत्वपूर्ण होते हैं। मानवाधिकार प्रत्येक व्यक्ति के शरीरिक, मानसिक, नैतिक, सामाजिक एवं भौतिक कल्याण में सहायक सिद्व हुये हैं। प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् शहरी एवं ग्रामीण छात्राओं के मध्य मानवाधिकार शिक्षा के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना है। मानवाधिकार के प्रति जागरुकता को जानने हेतु स्नातक स्तरीय छात्राओं को उनके शहरी एवं ग्रामीण परिवेश को आधार बनाया गया है। शोध विषय को ध्यान में रखते हुए वर्णनात्मक विधि के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

मुख्य शब्दः ''स्नातक, स्तर, अध्ययनरत, छात्राओं, मध्य, मानवाधिकार, शिक्षा, जागरूकता शहरी, ग्रामीण आदि।

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः

[1]. बेस्ट जॉन डब्ल्यू0, (1982): "रिसर्च इन एजूकेशन", प्रेन्टाइस हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लि0, न्यू दिल्ली, 1982।

[2]. कटोच,एस0के0 (2012): "हिमांचल प्रदेश में माध्यमिक शिक्षक प्रशिक्षुओं में मानवाधिकार का अध्ययन" हिमालयन जनरल ऑफ कान्टेम्पोरेरी रिसर्च आई0 एस0 एस0 एन0 2319 – 3174 वाल्यूम (1), अंक–2, जुलाई –दिसम्बर (2012)।

[3]. कुलश्रेष्ठ, एस0 (2003): "अन्तर्राष्ट्रीय कानून व्यक्ति और मानवाधिकार" ए जर्नल आफ एशिया फॉर डेमोक्रेसी एण्ड डेवलपमेन्ट मरैुना, वाल्यूम (3), अंक 4, अक्टबूर–दिसम्बर 2003।

[4]. कौर, एस0 (2006): माध्यमिक स्तरीय विद्यार्थिओं की मानवाधिकार के प्रति जागरुकता का अध्ययन" लघु शोध प्रबन्ध एम0 फिल0 हिमाचल विश्वविद्यालय शिमला, 2006।

[5]. गैरिट, एच0 ई0, (199): शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी, कल्याणी पब्लिशर्स, लुधियाना। दीक्षित, ए0के0 (2010): "मानवाधिकार और शिक्षा", नई शिक्षा राष्ट्रीय शैक्षिक मासिक पत्रिका, जयपुर, वर्ष (59), अंक–6, जनवरी 2010,

[6]. दुबे, आर0 (2014): "मानवाधिकार तथा महिला जागरुकता" ए जर्नल आफ एशिया फॉर डेमोक्रेसी एण्ड डेवलपमेन्ट, मुरैना, वाल्यूम (14), अंक–001, 2014

[7]. पाण्डेय रामशुक्ल, (2008): मानवाधिकार और मूल्य शिक्षण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

[8]. मल्होत्रा,एम0 (2013) : "महिला अधिकार और मानव अधिकार", ज्ञान गंगा प्रकाशक, भानु प्रिंन्टर्स, दिल्ली, पृ0स ंख्या– 136–137 ।

[9]. मिश्रा एम0के0 (2011): मानवाधिकार एव ं सामाजिक न्याय, एजूकेशनल पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, लक्ष्मी नगर दिल्ली।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, February 2023
Impact Factor: 7.301

[10]. राणा, डी0 एस0 (2017): "बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों में मानवाधिकार के प्रति जागरूकता का अध्ययन "पीरिओडिक रिसर्च जरनल ,वॉल्यूम –5, अकं–2, आई0 एस0 एस0 एन0 एन0; पी0–2231–05, ई0–2349–9435, मई 2017,

[11]. लाल ,आर०बी० (2013): भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ, आर0 लाल बुक डिपो मरे ठ, 2013।

[12]. शशिकला, वी0 तथा फ्रांसिस्को, एस0 (2016) : "महिला बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों में मानवाधिकार के प्रति जागरूकता का अध्ययन" इन्टरनेशल जरनल ऑफ टीचर एजूकेशन रिसर्च (आई0जे0टी0ई0आर0) वॉल्यूम 5, नं0 3, मार्च–अगस्त 2016,